संस्कृतविभागस्य अधोलिखिता विद्यार्थिनः संस्कृतभारतीदेहलीद्वारा आयोजिते संस्कृतसम्भाषणशिविरे सहभागितामकुर्वन् ....

The following students of Sanskrit Department { B. A. Honors I } participated in 20 days { 20 November, 2020 – 10 December, 2020) online spoken Sanskrit camp organized by Samskrit Bharati Delhi…..

1.Geeta, 202834 , Kirti, 202826 , Niyati Grover, 202838 , Arti, 202830, Vikash, 202805 , Muniya Devi, 202831, Rohit Ranga, 202802, Suveta, 202837

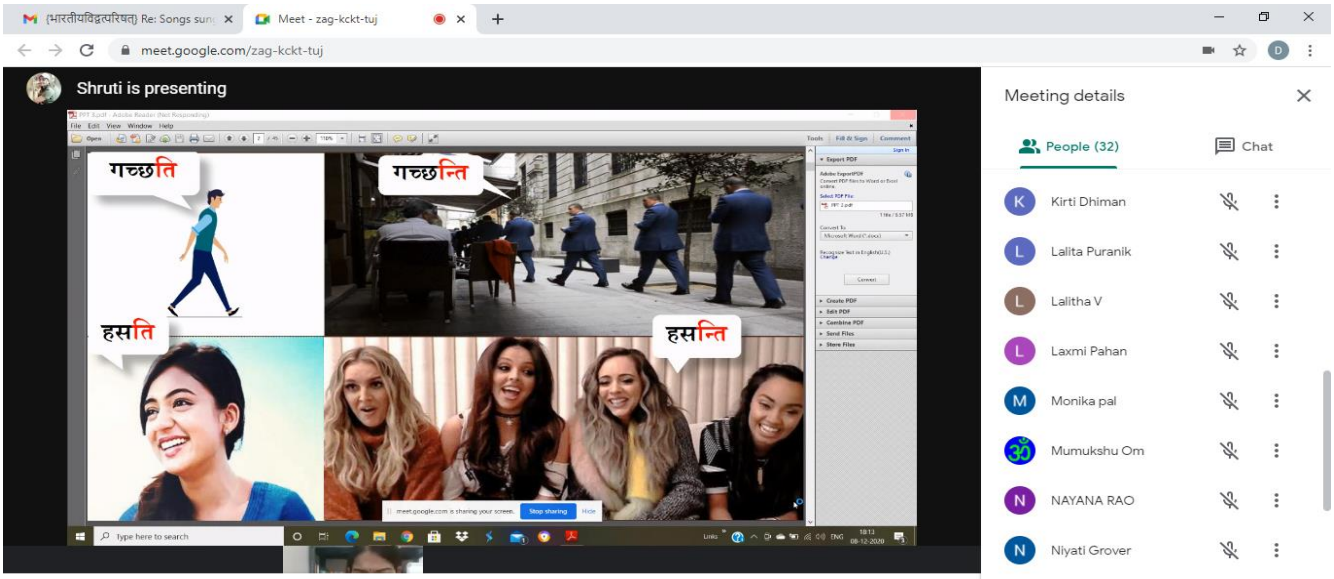

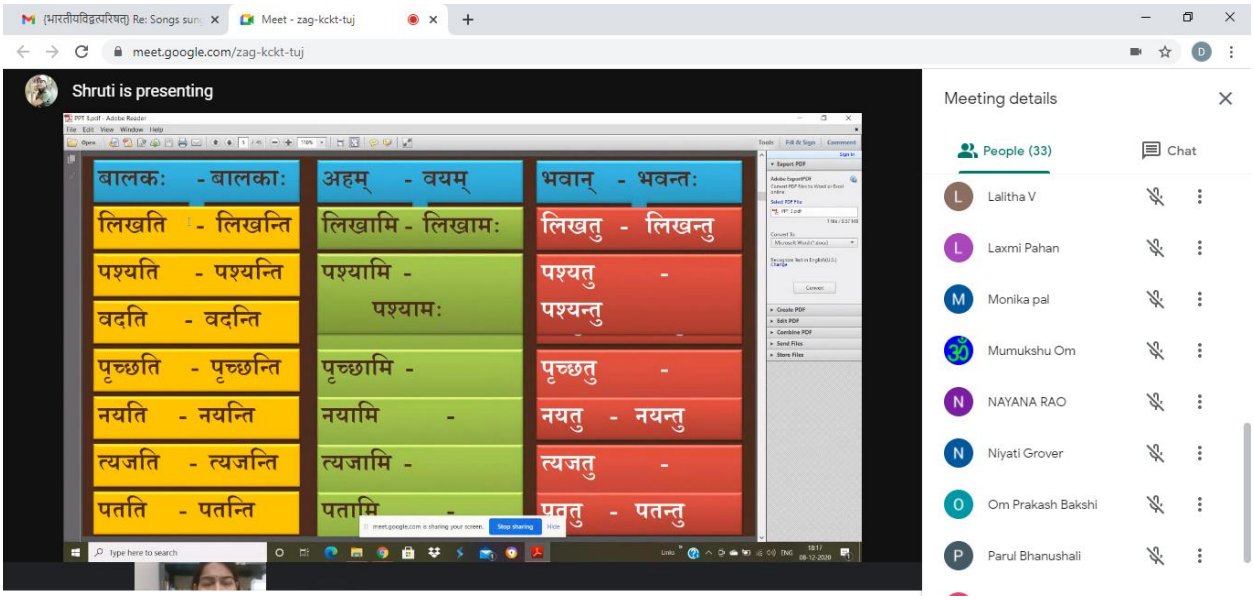

The lecture on the topic 'Shatpath Brahman's Vedic rituals : Social Philosophy and Mystery' शतपथ ब्राह्मण का वैदिक कर्मकाण्ड : समाज दर्शन एवं रहस्य was delivered by Dr. Ram Chander, Head , Department of Sanskrit , IIHS, Kurukshetra University, as the keynote speaker at the National Lecture Series of Ved Sansthan, Delhi. Here is the Link of lecture https://drive.google.com/file/d/1iTVyscCrWgGeYZRUVHrQmoouhrPyD3te/view?usp=

sharing.

ब्राह्मण ग्रंथों में हैं वेदों के गहन रहस्य : डॉ. रामचंद्र

कुरुक्षेत्र। वेद भारतीय जीवन पद्धति का मूल आधार है। प्राचीन भारत में वैदिक ऋषियों ने वेदों के गहन अर्थों का दिव्य समाधि में साक्षात्कार किया था। ब्राह्मण ग्रंथों में दिव्य अर्थ कर्मकांड एवं वेदमंत्रों की व्याख्या के रूप में सुरक्षित हैं। महर्षि याज्ञवल्क्य के द्वारा रचित शतपथ ब्राह्मण वैदिक वाङ्मय की अमूल्य निधि है। इसमें भारत का प्राचीन इतिहास और धरोहर सुरक्षित है। इसमें अमावस्या एवं पूर्णिमा के याग के साथ सोमयाग, राजसूय याग एवं अश्वमेध आदि का भी बड़ा व्यापक वर्णन मिलता है। ये विचार विश्व प्रसिद्ध वैदिक शोधकेंद्र वेद संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय व्याख्यान माला में मुख्य वक्ता के रूप में आईआईएचएस के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि शतपथ ब्राह्मण के गंभीर अध्ययन के बिना वेदों के वास्तविक अर्थ को नहीं समझ सकते। पूर्णिमा याग के रहस्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने दैवी प्रजा, वृत्र, आज्य, मनु का ऋषभ, आत्मयाजी, अग्निहोत्र एवं साकमेध याग के अनेक गम्भीर रहस्यों को अत्यंत रोचक रूप से स्पष्ट किया। बृहदारण्यक उपनिषद् में देव, दानव एवं मानव को प्रजापति के द्वारा द द द उपदेश के माध्यम से समाज में दान भावना को विकसित करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मिरांडा हाऊस दिल्ली की पूर्व प्राचार्या प्रो. उर्मिला रस्तोगी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. देवकृष्ण ने किया। इस अवसर पर देश के कई प्रांतों से श्रोता, बुद्धिजीवी एवं विचारक उपस्थित थे।